अंक - 02,माह-फरवरी, 2026

प्रगाथा

शिक्षा की प्रगतिशील गाथाएँ

छात्र गाथा

शिवानी कुमारी एवं विभा
परियार,त्रिवेणीगंज, सुपौल

शिक्षक गाथा

मनीष कुमार
कौशिक, बेगूसराय

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

विद्यालय गाथा

मध्य विद्यालय जगदीशपुर, भागलपुर

प्रगाथा

तरतीब

04

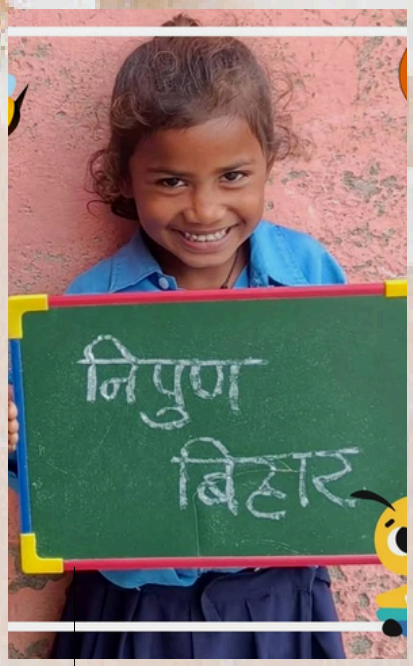

01 **संपादकीय**
सीमा कुमारी, राजकीयकृत मध्य विद्यालय, बीहट, बरौनी

02 **टीचर्स ऑफ बिहार गीत**
एम.आर.चिश्ती, रचनाकार
बिहार प्रार्थना गीत एवं टीचर्स ऑफ बिहार गीत

03 **छात्र गाथा**
शिवानी कुमारी और विभा परियार
ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय

04 **शिक्षक गाथा**
मनीष कुमार कौशिक
ओमर बालिका प्लस+2 विद्यालय,
विष्णुपुर,जिला- बेगूसराय

05 **विद्यालय गाथा**
मध्य विद्यालय, जगदीशपुर

संपादकीय

प्रगाथा का दूसरा अंक अपने नये कलेवर के साथ आपको सौंपते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है।
टीचर्स ऑफ बिहार अपने स्थापना सत्र से ही लगातार बिहार के कोने-कोने से शिक्षा की उत्कृष्ट गाथाएँ लिखता रहा है। हमारे सर्वोत्कृष्ट शिक्षक कड़ी मेहनत से सभी बाधाओं को पार करते हुए नियमित रुप से शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाए हुए हैं। शिक्षक के कठिन परिश्रम के फलस्वरूप हमारे छात्र भी कदम से कदम मिलाकर नित नवीन प्रयोग कर नया आयाम स्थापित कर रहे हैं।

प्रगाथा इसी प्रयास की अगली कड़ी है इन्हें आगे लाना और उनके सराहनीय पहल को हम सबके बीच साझा करना ताकि अन्य विद्यालय व शिक्षक भी इनसे प्रेरित हो सकें।

इस अंक में बिहार गीत के रचयिता एम.आर.किश्ती उनके द्वारा रचित टीचर्स ऑफ बिहार गीत को भी लिखा गया है इस गीत को आप इस अंक में पढ़ेंगे। छात्र गाथा में त्रिवेणी गंज सुपौल की शिवानी कुमारी और विभा परियार की वैज्ञानिक चेतना व उनकी उपलबिधयों को देखेंगे।

कला शिक्षक मनीष कुमार कौशिक बेगूसराय की बेहतरीन कला संग्रह और उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति एवं उनकी यात्रा को साझा कर रही हूँ। विद्यालय गाथा में इस बार मध्य विद्यालय जगदीशपुर को जानेंगे।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारा यह प्रयास आपको जरूर पसंद आएगा और पहले की भांति आपका सहयोग भी मुझे निरंतर मिलता रहैगा ...

ढेर सारी शुभेषणाओं के साथ
संपादक

Seema kumari

सीमा कुमारी
राजकीयकृत मध्य विद्यालय, बीहट

प्रगाथा

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम.आर.चिश्ती

एम.आर.चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम हजारों को साथ लाएंगे।
जैसी आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

प्रेम की रोशनी जो निखरेगी,
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इन्द्रधनुष,
रहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के,
हम कलम के वही सिपाही हैं,
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की राह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

रचनाकार
बिहार राज्य प्रार्थना एवं
टीचर्स ऑफ़ बिहार गीत

प्रगाथा

"हमारी कक्षा, हमारी शान
बदल रही, बिहार की पहचान"

#classroomvibes

1

2

- उत्क्रमित मध्य विद्यालय औराही, गम्हरिया, मधेपुरा
- मिड्ल स्कूल बनेलिपट्टी, बसंतपुर,सुपौल
- प्राथमिक विद्यालय नारायण पट्टी, महराजगंज,मधुबनी
- उत्क्रमित मध्य विद्यालय मटियारा,कोइलवर,भोजपुर

3

4

Teachers of bihar

Teachers of bihar

छात्र गाथा

शिवानी कुमारी एवं विभा परियार

ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय

मुझे यकीं है कि ये आसमां कुछ कम है ...

> "यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते, रमन्ते तत्र देवता:
> हमारे मनीषियों के द्वारा कही गई एक ऐसी पक्ति है जिसे आज भी हमारे मानस में चरितार्थ होती रही है।"

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महज एक नारा नहीं है बल्कि हमारी संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।
प्राचीन समय से ही हमारा देश महिला शिक्षा एवं उनके सम्मान की बात करती है।

यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते, रमन्ते तत्र देवता:
हमारे मनीषियों के द्वारा कही गई एक ऐसी पंक्ति है जिसे आज भी हमारे मानस में चरितार्थ होती रही है।
जब-जब हमने बेटियों को आगे बढ़ाया उन्होंने हर क्षेत्र में, क्षर कदम पर सफलता के परचम लहराए।
उनके लिए यह आसमान भी कम पड़ जाए ....

आज मैं बात कर रही हूँ ललित नारायण लक्ष्मी नारायण गवर्नमेंट बालिका उच्च विद्यालय, त्रिवेणीगंज की। इस विद्यालय की दो बेटियों शिवानी कुमारी और विभा परियार ने जो कर दिखाया है वह इस विद्यालय के लिए ही नहीं पूरे देश के लिए एक गर्व की बात है ....

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सौरभ सुमन सर जो खुद एक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से पुरस्कृत हैं। उनसे जब मेरी बात होती है तो बड़े ही भाव विह्वल होकर दोनों बच्ची की सफलता की गाथा सुनाते हैं।

उनके शब्दों में.हर्ष, गर्व और कठिन मेहनत के प्रतिफल के रुप में पाई सफलता का सम्मिश्रण था। ऐसी गाथाएँ जो इतिहास रचती हैं बड़ी तपश्चर्या व धैर्य के साथ किया गया वह मेहनत होता है जो एकदिन फलीभूत होता है ...

सबसे पहले प्रधानाध्यापक सौरभ सुमन सर का परिचय सरल शब्दों में कर दूं।

सौरभ सुमन हाल ही में पूरे बिहार के अटल टिंकरिंग लैब शिक्षकों को प्रशिक्षण दे चुके हैं। बिहार सरकार ने उन्हें स्टेट मास्टर ट्रेनर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सौरभ सुमन को पूर्व में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव भी प्राप्त हो चुका है।

इन्होंने अपने विद्यालय में लगातार विज्ञान के क्षेत्र में कई सारे नवाचार किए हैं जिनमें प्रमुख रुप से रोबोटिक्स पर किए गए नवाचार हैं।

शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं होती, बल्कि जब नवाचार, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण से जुड़ जाती है, तब इतिहास रचती है। सुपौल जिले का त्रिवेणीगंज एक बार फिर इसी इतिहास का साक्षी बना है। समान संसाधनों के अभाव में भी अपनी क्षमताओं का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए यहां के एक सरकारी गर्ल्स स्कूल ने पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है।

और इनोवेशन ने स्कूल के भीतर की छात्राओं को सीधे कर्तव्य पथ तक पहुंचा दिया है।

ललित नारायण लक्ष्मी नारायण गवर्नमेंट बालिका उच्च विद्यालय, त्रिवेणीगंज की प्रधानाध्यापक सह राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित सौरभ सुमन, विज्ञान शिक्षिका कुमारी रेखा, छात्रा शिवानी कुमारी एवं विभा परियार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह चयन विद्यालय में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब एवं विकसित रोबोटिक्स इनोवेशन आइडिया के आधार पर किया गया है। चयनित शिक्षक और छात्राओं ने 23 से 26 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया।केंद्रीय शिक्षा मंत्री के साथ चाय पर चर्चा का अवसर।

इस उपलब्धि को और भी खास बनाता है वह अवसर, जब चयनित शिक्षक एवं छात्राएं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के साथ आयोजित विशेष चाय पार्टी में शामिल हुई। इस दौरान उन्हें देशभर से आए नवाचारकर्ताओं, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं से संवाद करने का अवसर मिला। शिवानी कुमारी ने कहा कि यह पहल उन्हें आत्मविश्वास और समझ प्रदान करती है। छात्रा विभा परियार ने बताया कि सौरभ सुमन सर के कुशल नेतृत्व की वजह से स्कूल दिन-प्रतिदिन आगे बढ़ रहा है। पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर इनोवेशन और स्टार्ट-अप से स्कूल की पहचान बनी है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के साथ चाय पर चर्चा का अवसर
चयनित छात्रा विभा पहले ही राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में चयनित हो चुकी है। इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेयर में भी अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। जिला और राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त करने के साथ-साथ उनका चयन पार्लियामेंट हाउस विजिट के लिए भी हो चुका है। वहीं छात्रा शिवानी कुमारी भी राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में चयनित हो चुकी है और विज्ञान संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। सौरभ सुमन बताते हैं कि ग्रामीण परिवेश में रहते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज को बदलने की क्षमता और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने का लक्ष्य लेकर वे लगातार कार्य कर रहे हैं।
हमारी इस दोनों बेटियों ने अपनी मेहनत और लगन के बलबूते जो मुकाम हासिल किया है उससे राज्य ही नहीं पूरे देश में अपना परचम लहराया है।
हमारी इस दोनों बेटियों को इस शानदार सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।
टीचर्स ऑफ बिहार इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

छात्र ;-
शिवानी कुमारी एवं विभा परियार
शिक्षक:- सौरभ सुमन
विद्यालय :-
ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय

खबरों में शिवानी और विभा

अटल टिंकरिंग लैब के नवाचार से राष्ट्रपति पथ पर पहुंचे शिक्षक व छात्राएं

विद्यालय परिवार के साथ चयनित शिक्षक एवं छात्रा • जागरण

संवाद सूत्र, जागरण • त्रिवेणीगंज (सुपौल) : शिक्षा के क्षेत्र में त्रिवेणीगंज ने एक बार फिर अपनी समृद्ध परंपरा और प्रतिभा का परचम लहराया है। यह क्षेत्र हमेशा से शिक्षा के लिए जाना जाता रहा है और अब एक ऐतिहासिक उपलब्धि ने इसकी प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर और ऊंचा कर दिया है। ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित सौरभ सुमन, विज्ञान शिक्षिका कुमारी स्नेहा, छात्रा शिवानी कुमारी एवं विभा परिवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इन सभी का चयन विद्यालय में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब में विकसित रोबोटिक इनोवेशन आइडिया के आधार पर हुआ है। चयनित शिक्षक एवं छात्राएं 23 से 26 जनवरी तक आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेंगी। इस दौरान उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ चाय पार्टी में शामिल होने का भी अवसर मिलेगा। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि अटल टिंकरिंग लैब के नवाचार से बिहार के सरकारी स्कूलों में यह एकमात्र विद्यालय है, जिसके शिक्षक और छात्राओं को गणतंत्र दिवस समारोह का साक्षी बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि इसी विद्यालय में तैयार किए गए रोबोट की मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री प्रशंसा कर चुके हैं। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक दिलीप कुमार, रविन्द्र कुमार, गजेंद्र प्रसाद यादव, आनंद कुमार, खुशबू कुमारी, यशप्रीत कौर, सुनीता कुमारी, रंजू कुमारी, क्लर्क नीरज कुमार, परिचारी मनोरमा कुमारी एवं राधव यादव सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया। चयनित छात्रा विभा परिवार राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में चयनित हो चुकी हैं। वे ईस्टर्न इंडिया साइंस फेयर में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत होने के साथ-साथ उनका चयन पार्लियामेंट हाउस के लिए भी हो चुका है। चयनित छात्रा शिवानी कुमारी राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित हो चुकी हैं और जिला स्तर पर भी सम्मानित रही हैं।

विशेष अतिथि के तौर पर शामिल होंगे चयनित शिक्षक व छात्राएं, बालिका उवि के प्रधानाध्यापक व छात्राओं का हुआ है चयन

उन्हें इनोवेशन के क्षेत्र में विशेष रुचि है। चयनित विद्यालय के प्रधानाध्यापक सौरभ सुमन हाल ही में पूरे बिहार के अटल टिंकरिंग लैब शिक्षकों को प्रशिक्षण दे चुके हैं। बिहार सरकार ने उन्हें स्टेट मास्टर ट्रेनर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सौरभ सुमन को पूर्व में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव भी प्राप्त हो चुका है। यह सफलता न सिर्फ विद्यालय बल्कि पूरे त्रिवेणीगंज और जिले के लिए गर्व का विषय है, जिसने साबित कर दिया कि संसाधन सीमित हों, तो भी सोच और संकल्प बड़े हों।

दैनिक भास्कर भागलपुर 03-05-2025

खुशखबरी सीआईईटी-एनसीईआरटी के प्लानिंग एंड रिसर्च डिविजन से आया आमंत्रण

त्रिवेणीगंज की बेटी संसद में देगी भाषण

पीएम मोदी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मिल सकेगी विभा

भास्कर न्यूज | त्रिवेणीगंज (सुपौल)

कोसी इलाके की बेटी विभा परियार नौ मई को संसद में रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर भाषण देगी। विभा त्रिवेणीगंज के ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय की 10वीं की छात्रा है। सीआईईटी-एनसीईआरटी नई दिल्ली के प्लानिंग एंड रिसर्च डिविजन के हेड प्रो. अमरेन्द्र पी बेहरा की ओर से उसे इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रण मिला है।

कार्यक्रम के लिए देशभर से 31 होनहार छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। बिहार से सिर्फ सुपौल की विभा को यह अवसर मिला है। साथ ही वह संसद भवन का भ्रमण भी करेगी। उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कई सांसदों से मिलने का मौका मिलेगा। शिक्षा विभाग के एमडीएम डीपीओ महताब रहमानी विद्यालय पहुंचे। उन्होंने विभा को शुभकामनाएं दीं। विभा का चयन एससीईआरटी की राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। यह प्रदर्शनी हरियाणा में आयोजित हुई थी। प्राचार्य सौरभ सुमन ने बताया कि सरकारी खर्च पर पहली बार विभा फ्लाइट से यात्रा करेगी।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर देगी व्याख्यान

डीपीओ के साथ छात्रा विभा व स्कूल के शिक्षक।

इस प्रोजेक्ट के आधार पर हुआ चयन

हरियाणा में आयोजित प्रदर्शनी में विभा के मॉडल की थीम-परिवहन एवं संचार थी। इसका शीर्षक स्मार्ट गेट फॉर रोड एंड रेल सेफ्टी था। अक्सर रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय ओवरलोड ट्रक या बस की ऊंचाई बढ़ जाने से ट्रैक के ऊपर जा रहे तार से सटने का डर रहता है। इससे जान-माल का नुकसान होता है। यह समस्या सड़क मार्ग पर भी है। इसी से बचाव के लिए एक ऐसा गेट बनाया, जिसे क्रॉस करते समय वाहन की ऊंचाई का पता चल जाता है और स्वतः अलार्म बजता है और फाटक बंद हो जाता है।

Supaul girl to represent Bihar in Parl programme

Surbhi | TNN

Patna: Vibha Pariyar, a student of Lalit Narayan Laxmi Narayan Project Girls High School in Supaul, has been selected as the sole representative from Bihar to deliver a speech in the 'Know Your Leader' programme at the Parliament. Organised by CIET-NCERT, Vibha is among 31 students from across the country invited to participate in the event, which will be held on May 9 to mark the birth anniversary of Rabindranath Tagore.

BRIGHT BIHAR
EDUCATION IS POWER

Supaul district programme officer (DPO) Mehtab Rehmani visited Vibha's school to encourage and mentor her in preparation for her speech in Parliament.

The programme is an initiative of the Union ministry of education, in collaboration with the Parliamentary Research and Training Institute for Democracies (PRIDE) and the Lok Sabha Secretariat. It falls under a special campaign titled 'Participation of Youth of Our Country in Paying Homage to Our National Leaders on Their Birth Anniversary in the Parliament House'.

As part of the event, a floral tribute ceremony will be held in the Central Hall of Samvidhan Sadan.

Students from classes IX to XII have been selected to take part in similar events held on the birth anniversaries of national leaders.

से प्रवेश की अनुमति होगी। केंद्र का संबंधित परीक्षार्थी की होगी। कागजातों की जांच के बाद साक्षात्कार साक्षात्कार रविवार को होगा।

स्कूली बच्चों ने राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया

पटना, कासं। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड को प्रत्यक्ष रूप से देखने गए सुपौल के ललित नारायण-लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों ने शनिवार को विशेष शैक्षणिक भ्रमण के तहत राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया।

यात्रा का आयोजन नीति आयोग और अटल इनोवेशन मिशन के तत्वावधान में किया गया था। भ्रमण के दौरान छात्राओं को राष्ट्रपति भवन से जुड़ीं अनेक जानकारियां मिलीं। उन्हें बताया गया कि भवन के अधिकांश कमरों के नाम भारत की विभिन्न नदियों के नाम पर रखे गए हैं। राष्ट्रपति भवन पर फहराता तिरंगा झंडा राष्ट्रपति की उपस्थिति का प्रतीक है। छात्राओं ने उन कक्षों और हॉलों का अवलोकन किया।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए दिल्ली गए स्कूली बच्चे और शिक्षक।

शिवानी और विभा ने रोबोटिक्स में बिहार का नाम किया रौशन

INSPIRE

अटल टिंकरिंग लैब से कर्तव्य पथ तक, बेटियों और [शिक्षकों] ने रचा इतिहास

aditya.jha@inext.co.in

PATNA(13 Jan): शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं होती, बल्कि जब वह नवाचार, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण से जुड़ जाती है, तब इतिहास रचती है. सुपौल जिले का त्रिवेणीगंज एक बार फिर इसी इतिहास का साक्षी बना है. सीमित संसाधनों में असीम संभावनाओं को साकार करते हुए यहां के एक सरकारी गर्ल्स स्कूल ने पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है. रोबोटिक इनोवेशन ने स्कूल के टीचर्स व छात्राओं को सीधे कर्तव्य पथ तक पहुंचा दिया है.

गणतंत्र दिवस पर विशेष अतिथि के रूप में मिला आमंत्रण

ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, त्रिवेणीगंज के प्रधानाध्यापक सह राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित सौरभ सुमन, विज्ञान शिक्षिका कुमारी स्नेहा, छात्रा शिवानी कुमारी एवं विभा परियार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है. यह चयन विद्यालय में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब में विकसित रोबोटिक इनोवेशन आइडिया के आधार पर किया गया है. चयनित शिक्षक और छात्राएं 23 से 26 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेंगी.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के साथ चाय पर चर्चा का अवसर

इस उपलब्धि को और भी खास बनाता है वह अवसर, जब चयनित शिक्षक एवं छात्राएं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ आयोजित विशेष चाय पार्टी में शामिल होंगी. इस दौरान उन्हें देशभर से आए नवाचारकर्ताओं, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं से संवाद करने का अवसर मिलेगा. दैनिक जागरण आई नेक्स्ट से बात करते हुए छात्रा शिवानी कुमारी बताती है पढ़ाई के अलावा हम लोग लैब दो से तीन घंटे प्रति दिन समय देते है. जिससे बहुत कुछ सीखने और समझने को मिलता है. छात्रा विभा परियार ने बताया कि सौरभ सुमन सर के कुशल नेतृत्व की वजह से स्कूल दिन प्रतिदिन आगे बढ़ रहा है. पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर हमलोगों का चयन होने से स्कूल में जश्न का माहौल है.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के साथ चाय पर चर्चा का अवसर

चयनित छात्रा विभा परियार पहले ही राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में चयनित हो चुकी है. वे ईस्टर्न इंडिया साइंस फेयर में भी अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है. जिला और राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त करने के साथ-साथ उनका चयन पार्लियामेंट हाउस विजिट के लिए भी हो चुका है. वहीं छात्रा शिवानी कुमारी का चयन राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए हो चुका है और वे जिला स्तर पर भी सम्मानित रह चुकी है. सौरभ सुमन ने बताया कि पटना में रहते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की उसके बाद समाज को बदलने की ठानी और शिक्षा के क्षेत्र में जुड़ कर शिक्षक की भूमिका निभा रहा हूं.

प्रधानाध्यापक सौरभ सुमन, नवाचार के प्रेरणास्रोत

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सौरभ सुमन न सिर्फ एक सफल शैक्षणिक प्रशासक है, बल्कि राज्य के नवाचार आंदोलन के मजबूत स्तंभ भी है. हाल ही में उन्होंने पूरे बिहार के अटल टिंकरिंग लैब शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है. बिहार सरकार ने उन्हें स्टेट मास्टर ट्रेनर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है. वे पूर्व में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके है. इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक दिलीप कुमार, रविन्द्र कुमार, गजेंद्र प्रसाद यादव, आनंद कुमार, शिक्षिका खुशबू कुमारी, यशप्रीत कौर, सुनीता कुमारी, रंजू कुमारी, क्लर्क नीरज कुमार, परिचारी मनोरमा कुमारी एवं राधव यादव सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया.

शिक्षक गाथा

मनीष कुमार कौशिक, ओमर बालिका प्लस+2
विद्यालय, विष्णुपुर,जिला– बेगूसराय

बच्चों की अनगढ़ मूर्ति को आकार देते शिक्षक ...

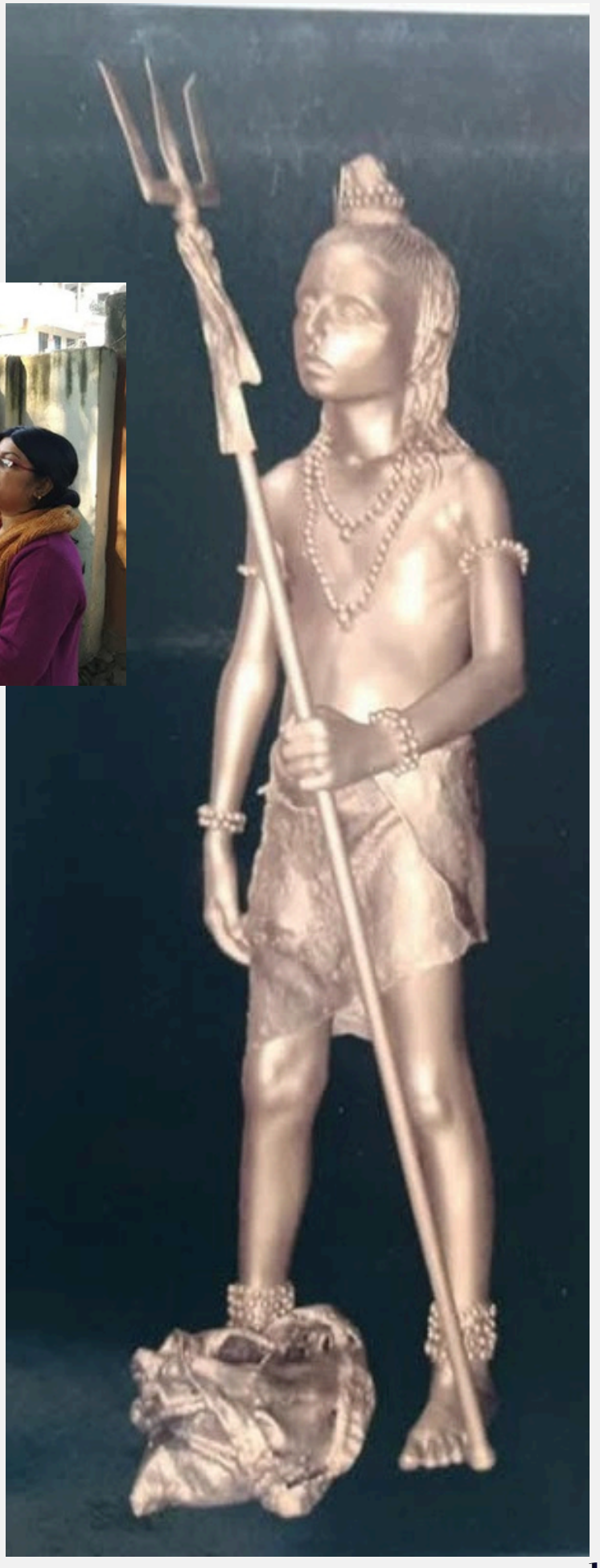

मनीष कुमार कौशिक

"अनगढ़ पत्थरों पर छेनी चलाते हुए जब भी मैं किसी मूर्ति शिल्पकार को देखती हूँ तो मुझे हमेशा हमारे कक्षा में बैठे अलग - अलग आकार प्रकार व बुद्धि वाले बच्चे नजर आते हैं जिन्हें एक वैसे ही समर्पित कलाकार की जरूरत होती है जो उन्हें पूर्ण तन्मयता के साथ एक सुंदर आकृति में गढ़ सके। अगर एक शिक्षक ही मूर्ति शिल्पकार हो तो बात ही क्या कहने।"

शिक्षक गाथा

आइए आज आपको टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षक गाथा में एक ऐसे ही शिक्षक से मिलवाती हूँ जो पेशे से कला शिक्षक हैं और अपने कूंची से बच्चों के भविष्य को संवारने में लगे हुए हैं।

मनीष कुमार कौशिक जी के कला जीवन का सफर भी आम बच्चों की तरह ही आरंभ होता है। सड़क किनारे मूर्ति बनाने वाले कलाकारों को देखते हुए कब उनके बालमन में भी ऐसी ही मूर्तियों को गढ़ने की पनपी पता ही नहीं चला।

2005 में पटना आर्ट कॉलेज से फाइन आर्ट्स की डिग्री लेने वाले मनीष जी का मूर्ति कला में विशेष रूझान रहा है। मैट्रिक की परीक्षा के बाद इनका जीवन पूरी तरह से कला के प्रति समर्पित हो गया। मनीष कुमार कौशिक पटना आर्ट कॉलेज से बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री लेने वाले बेगूसराय के उन कला शिक्षकों में शुमार किए जाते हैं जिन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों में भाग लिया एवं पुरस्कृत हुए।

बचपन से ही योगविद्या और पेंटिंग में एक समान रुचि रही है । बेगूसराय जनपद में जीरोमाइल दिनकर चौक और बेगूसराय सुभाष चौक पर अवस्थित सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति को बनाने में इनका भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

मेटल वर्क में पारंगत मनीष जी ने कई अद्भुत मूर्तियों का निर्माण किया है, जिसमें मेंढक और शिव शंकर की मूर्ति प्रमुख है।

वर्तमान में मनीष कौशिक ओमर बालिका प्लस टू विद्यालय, विष्णुपुर, बेगूसराय में पदस्थापित है। मनीष जी के द्वारा प्रशिक्षित कई छात्रों को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। प्रतिवर्ष बेगूसराय म्यूजियम के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में इनके 5-7 छात्र पुरस्कृत होते आ रहे हैं। इनके अलावा इनके दो शिष्य प्रवीण कुमार और रौशन कुमार जो केन्द्रीय विद्यालय में अध्यापक हैं उन दोनों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

मनीष जी का फेवरेट कलर ब्लैक और ग्रे है । इनके ब्लैक इंक से बनाई हुई कई आकृतियाँ अपनी कलात्मकता के लिए प्रसिद्ध हैं। ब्लैक ही क्यों ? पूछने पर उन्होंने बताया कि ब्लैक कलर उन्हें हमेशा डार्क से लाइट की ओर ले कर जाता है। आर्ट वर्क से अधिक रुचि इनकी मूर्ति कला में है क्योंकि उनका मानना है कि एक कलाकार जब अपनी बनाई हुई आकृतियों को छू कर महसूस करता है तब उसे स्वर्गिक आनंद की अनुभूति होती है।

जब कभी आप जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा-सह-साक्षरता विभाग के दफ्तर में जाएंगे तो उस छोटे से सुंदर परिसर की दीवारों पर उकेरी हुई मिथिला पेंटिंग की भित्ति चित्र को देखेंगे तो आप मंत्र मुग्ध हो जाएंगे। मनीष जी ने वार्ता के दौरान बताया कि "इस पेटिंग्स को बनाने की प्रेरणा उन्हें राज कमल सर से मिली।
हरे-भरे प्रांगण में मनीष जी के द्वारा बनाए गए पेटिंग से दीवारें बोलने लगी हैं और उस परिसर की खूबसूरती में चार चाँद लग गया है।"

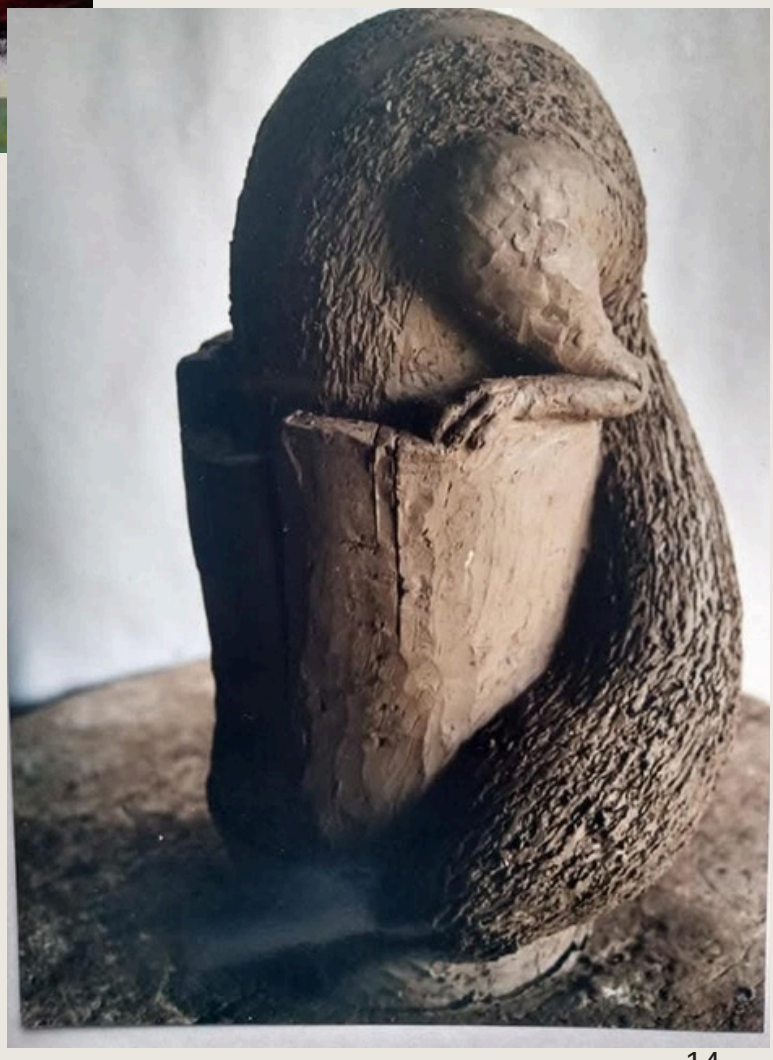

कलात्मक अभिव्यक्ति

समाज में कला के प्रति जागरूकता लाने के लिए अभिभावकों के लिए उनका यही संदेश है कि वे अपने बच्चों को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने से न रोकें , उन्हें हतोत्साहित न करें ;क्योंकि मनीष जी का मानना है कि एक सुंदर समाज की परिकल्पना कला के बिना अधूरी है।

समाज की तमाम नकारात्मकता का अपनी कला के माध्यम से समाधान ढूंढ़ने वाले मनीष जी को टीचर्स ऑफ बिहार की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए असीम शुभकामनाएं।

विद्यालय गाथा

मध्य विद्यालय, जगदीशपुर

हर विद्यालय कुछ कहता है..

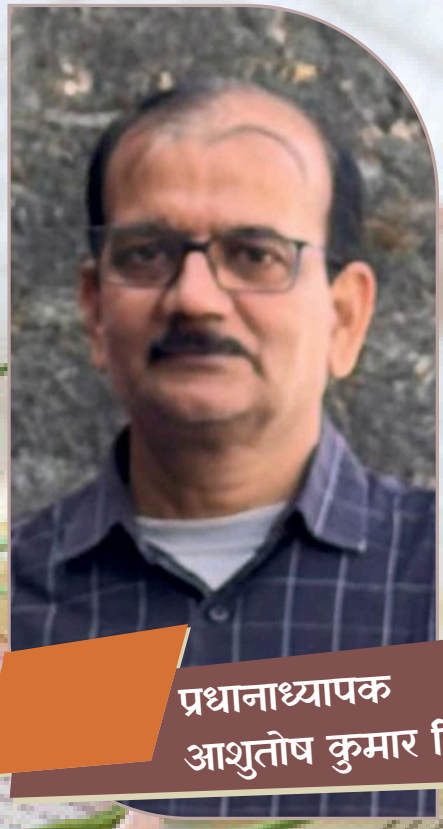

प्रधानाध्यापक
आशुतोष कुमार मिश्रा

आइए इसी क्रम में आज हम भागलपुर जिले के मध्य विद्यालय जगदीश पुर की सैर करते हैं। मध्य विद्यालय जगदीश पुर मुख्य रुप से बालिका शिक्षा और उन्मुखीकरण के प्रति काफी सवेदनशील रहा है। यहाँ बालिका शिक्षा की दर अन्य क्षेत्रों के मुकाबले अधिक ही नहीं काफी प्रेरक भी है। यहाँ पढ़ने वाली बच्चियां आए दिन कोई न कोई गतिविधियों में संलग्न रहती है, साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिला व राज्य स्तर पर अव्वल भी रहती हैं।

हर विद्यालय कुछ कहता है, जरूरत है बस उसे सुनने की उससे बतियाने की। विद्यालय गाथा में हमने ऐसे कई विद्यालयों की दास्तान सुनी जो अब तक अनकही थी, अनसुनी थी ....
टीचर्स ऑफ बिहार ने इनकी धड़कन सुनी और उन्हें कलमबद्ध कर जन जन तक पहुंचाया।
इस छोटी सी कोशिश से बिहार के कई विद्यालय चहक उठे और वहाँ बच्चों की किलकारियां गूंजने लगी।

विद्यालय गाथा

मध्य विद्यालय जगदीशपुर

विद्यालय के प्रधानाध्यापक आशुतोष कुमार मिश्रा जी का कहना है कि उनके विद्यालय में जितने भी सरकारी और गैर सरकारी त्योहार व विशेष दिवस होते हैं वह सब विद्यालय प्रांगण में बच्चों के साथ जरूर मनाते हैं। इन कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह चरम पर होता है और वे अपने नवाचारों के साथ उन गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं।

यह गतिविधियां अधिकतर उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा होते हैं, इस वजह से यह विद्यालय शिक्षा का केन्द्र होने के साथ-साथ कला व संस्कृति का एक बेहतरीन मंच बना हुआ है।

विद्यालय गाथा

मध्य विद्यालय, जगदीशपुर

यह गतिविधियां अधिकतर उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा होते हैं, इस वजह से यह विद्यालय शिक्षा का केन्द्र होने के साथ-साथ कला व संस्कृति का एक बेहतरीन मंच बना हुआ है।

2012 में पदभार संभालते ही प्रधानाचार्य ने सबसे पहले बाल संसद की टीम का गठन कर उन्हें जागरूक किया। बाल संसद की टीम ने स्थानीय विधायक से मिलकर अतिरिक्त कमरों का निर्माण करवाना एवं अन्य समस्याओं का निराकरण करवाया। यह एक सशक्त बाल संसद और उनकी सक्रियता का जीता जागता उदाहरण है।

सुरक्षित घेराबंदी व बागवान के लिए उपयुक्त जमीन न होने के बावजूद भी छत पर दीवारों के बीच मिट्टी भर कर एक सुंदर बाल पोषण वाटिका का निर्माण करवाया। इस वाटिका से प्रतिदिन कुछ न कुछ जैविक सब्जियां प्राप्त होती हैं जिसे बच्चों के मध्याह्न भोजन में शामिल किया जाता है।

इस विद्यालय से प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय आय मेधा छात्रवृत्ति में बच्चे चयनित होते हैं साथ ही इंस्पायर मानक अवार्ड में भी इनकी भागीदारी रही है।

राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चे राज्य स्तर तक अपना परचम लहरा चुके हैं।

विद्यालय गाथा
मध्य विद्यालय, जगदीशपुर

एक आदर्श विद्यालय की स्थापना में उस गाँव के ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका होती ही है लेकिन 2023 में जिला अधिकारी के द्वारा बेस्ट हेडमास्टर का अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रधानाध्यापक आशुतोष कुमार मिश्रा जी का कहना है कि इन सारी उपलब्धियों का श्रेय कहीं न कहीं टीचर्स ऑफ बिहार के बड़े मंच को जाता है जिन्होंने उनके कार्य की सर्वप्रथम सराहना की।
टीचर्स ऑफ बिहार के सारे फैमिली मेंबर्स की ओर से आपको बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।
आप यूं ही पटकथा लिखते रहें हम कहानियां सुनाते रहेंगे ...

मध्य विद्यालय जगदीशपुर
प्रखंड - जगदीशपुर
जिला - भागलपुर
कोड - 10220301803

सुरक्षित घेराबंदी व बागवान के लिए उपयुक्त जमीन न होने के बावजूद भी छत पर दीवारों के बीच मिट्टी भर कर एक सुंदर बाल पोषण वाटिका का निर्माण करवाया। इस वाटिका से प्रतिदिन कुछ न कुछ जैविक सब्जियां प्राप्त होती हैं जिसे बच्चों के मध्याह्न भोजन में शामिल किया जाता है।

अवनीश कुमार
व्याख्याता
प्राथमिक शिक्षक शिक्षा
महाविद्यालय
विष्णुपुर,बेगूसराय।

विद्यालयस्य गीतम्

अस्ति सुंदरं मनभावनम् पवित्र पावनम्।
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजगरवा पूर्व
प्राँगनम्।।
विनयशीलं शिक्षा प्रदाता गुरुजना:।
मृदुभाषिणि विद्यादात्री गुरुमातर:।।
शीलं अनुशासनं उच्च कोटिकम्।
सुंदरं चरित्र विकसितं यस्य प्राँगणम्।।
अस्ति सुंदरं मनभावनम् पवित्र पावनम्
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजगरवा पूर्व
प्राँगणम्।।
छात्रा: नित पूजनं कुर्वन्ति गुरुनाम् चरणम्।
सुंस्कारं विकसितं भवति यस्य प्राँगणे।।
गुरुजना: विद्या यच्छन्ति प्रेमपूर्वकम्।
शिक्षार्थीगना: शिक्षा अर्जनम कुर्वन्ति
ध्यानपूर्वकम् ।।
अस्ति सुंदरं मनभावनम् पवित्र पावनम्
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजगरवा पूर्व
प्राँगणम्।।
गुरुजना: कर्तव्यपरायणम् पाठनम् कुर्वन्ति नित
दिनम्।
अस्य शिक्षालयस्य मुख्य ध्येयमाम विद्या
अमृतम्।।
पुरातना: शिक्षार्थीगना: जीवन सफलं।
अतीव सुखद परिणाम प्राप्तम्।।
अस्ति सुंदरमं मनभावनम् पवित्र पावनम्
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजगरवा पूर्व
प्राँगणम्।।
अस्ति सुंदरं मनभावनम् पवित्र पावनम्
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजगरवा पूर्व
प्राँगणम्।।

भूतपूर्व शिक्षक
अवनीश कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजगरवा पूरब
पकड़ीदयाल
पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) बिहार